

RV. 10, 129, 5. AV. 19, 16, 2. TS. 2, 6, 8, 4. KAUC. 124. 131. KAUSH. UP. in Ind. St. 1, 401. SUGR. 2, 92, 12. H. an. 7, 19. भगवांस्तु गदावेगं विसृष्टं रि-
पुपोरसि । अथ च्यतिरश्चीनः BHĀG. P. 3, 18, 15. ईतमाणाः पापेन तिरश्चीनेन
चनुषा 7, 8, 4. अतिरश्चीन DAČAK. in BENF. Chr. 198, 23.

तिरश्चीननिधन (ति० + नि०) n. N. eines Sāman LĀTJ. 6, 11, 4. —
Vgl. तिरश्चीननिधन u. तिरश्ची.

तिरश्चीनपृष्णि (ति० + पृ०) adj. in die Quere gefleckt VS. 24, 4.

तिरश्चीनवंश (ति० + वंश) m. Bienestock KHĀND. UP. 3, 1, 1.

तिरश्च्य s. u. तिरश्च.

तिरस् (तिरस् gāṇa स्वरादि zu P. 4, 1, 37) 1) praep. trans. a) mit dem
acc., gewöhnlich voranstehend; a) durch, durch — hin, über — hin:
तिरो तर्मासि दर्शतः RV. 3, 27, 13. 6, 48, 6. तिरः पवित्रम् 1, 133, 6. रोमा-
णि 9, 62, 8. र्ज्ञासि 3, 58, 5. 7, 68, 3. 10, 92, 5. यः परस्याः परावर्तस्तिरो ध-
न्वातिरोचते 182, 2. AV. 13, 1, 36. न्यस्तिरः trans AV. 7, 38, 5. — β)
über — hinüber, an — vorüber: त उ नस्तिरो विद्यानि डुरिता नयति
RV. 6, 51, 10. 7, 60, 12. तिरश्चिदेहैः सुपया नयति 6. तिरो विद्या अर्चते
पाञ्चराट् 10, 89, 16. 4, 29, 1. 8, 33, 14. अतीयाम निदास्तिरः स्वस्तिभिः
5, 53, 4. — γ) mit Beiseitlassung von, ohne; mit Hintansetzung von:
sicher vor: तिरश्चितानि unbemerkt RV. 7, 39, 8. देवानां चित्तिरो वशम्
gegen den Willen 10, 171, 4. तिरो अर्थो क्वानानि श्रुते नः 7, 68, 2. तिरो
मर्तस्य कस्य चित्परिच्छति व्यं धर्मानि विद्याधा भरेमहि 9, 79, 2. — b)
mit dem abl. (vor- oder nachstehend) abseits von; ohne Vorwissen von,
geheim vor, clam: (पत्यचति) पतिर्त्रिये वतिरः AV. 12, 3, 39. स्त्रियस्तिर
इव वै पुंसो त्रियत्सति CAT. Br. 1, 9, 2, 12. तिर इव वै देवा मनुष्येभ्यः 3, 3,
4, 6. 1, 4, 3. (अरण्ये) मनुष्येभ्यस्तिरो भवति 13, 6, 2, 20. — 2) adv. a)
in die Quere, seitwärts: स तिर्यञ्चस्तिरो उञ्चति AK. 3, 1, 34. H. 444.
तमेवावाह पवनस्तिरश्चोर्ध्वं च वेगवान् MĀRK. P. 17, 3. तिरस् = तिर्यक्
AK. 3, 4, 32 (28), 18. 3, 6. H. 1534. an. 7, 50. MED. avj. 81. — b) abseits,
aus dem Wege; der Wahrnehmung entzogen, verborgen, unbemerkt,
अन्तर्धो AK. 3, 4, 32 (28), 18. H. an. MED. तिर इव वै मुग्धो लोकाः TS. 2,
5, 10, 6. तिर इव वा दृढद्वयो यदुपासु तिर इवैत्यद्वयोः AIT. Br. 2, 7.
तिर इव वै रेतोसि विक्रियते 39. CAT. Br. 6, 4, 4, 19. तिर इव वै मिथुनेन
चर्यते 1, 9, 2, 8. 8, 5, 4, 4. 9, 3, 1, 24. — c) in Verb. mit den Zeitwörtern
a) कर्. तिरस्करोति und तिरः करोति, तिरस्कृत्य und तिरः कृत्वा P. 1,
4, 72. 8, 3, 42. VOP. 13, 5. α) beseitigen, wegschaffen; verdecken, verhül-
len, verbergen CAT. Br. 1, 9, 2, 12. 2, 3, 4, 3. 4, 2, 1, 18 u. s. w. तिरस्कृत्य
KĀTJ. ČR. 6, 1, 12. यो विस्युरद्विविपेन भूमेभारं कृतातेन तिरश्चकार BHĀG.
P. 3, 2, 18. तिरस्कृत्योच्चरेत्काष्ठलोष्टपल्लवपादिना M. 4, 49. तिरस्क्रि-
यते कृमिस्तनुजालैः — गवालाः RAGH. 16, 20. तिरस्कृत AMAR. 81. BHATT.
9, 62 (wo so zu lesen ist). कालरात्रिः — भार्यात्रयतिरस्कृता R. 2, 12, 89.
— β) bei Seite liegen lassen so v. a. überwinden, übertreffen: स तिर-
स्कृत्यते ऽग्निभिः HIT. III, 8. BHATT. 9, 62. यन्मार्जारमर्कटादयो ऽपि तिर-
स्कृता अस्योत्पतनेन PAÑKĀT. 118, 13. स्तनद्वयम् । तिरश्चकार — पङ्कज-
कोषयोः श्रियम् RAGH. 3, 8. या दीप्त्या सूर्यमपि तिरस्कुहते PAÑKĀT. 256, 5.
— γ) schmähen, tadeln, gegen Jmd seine Geringachtung an den Tag
legen, verachten: यस्य वचनात्त्रावलम्बितास्तं सर्वं तिरस्कुर्वन्ति HIT.
13, 11. 113, 9. BHĀG. P. 4, 18, 48. 6, 14, 40. 8, 11, 3. सर्वेषामप्येतेषां वा-
पिण्डेनातिरस्कृतो ऽर्थलाभः स्यात् PAÑKĀT. 7, 10. — b) धा beseitigen,

wegschaffen, zurückdrängen; verbergen: अत्रकावं तिरो दधे RV. 7, 30, 1.
9, 73, 3. 97, 14. पाप्मानम् AV. 8, 10, 28. 12, 2, 23 (wo RV. अत्र). अश्विना-
विन्दुममृतं वृत्तभूयै तिरो धत्ताम् MBH. 1, 728. विदति मुनयः — यदा तदेवा-
सत्केस्तिरो धीयते विस्रुतम् BHĀG. P. 2, 6, 40. zurückdrängen, überwinden:
तिरोधातुम् SĀH. D. 75, 10. तिरो धीयते 14. med. sich verbergen vor (abl.),
verschwinden: तस्मात्तिरो दधे KENOP. 24. तिरो धते BHĀG. P. 3, 7, 12. ति-
रो दधे RAGH. 10, 49. 11, 91. KATHĪS. 5, 56. 10, 82. 17, 123. 18, 238. 342.
BHĀG. P. 3, 9, 44. BHATT. 14, 39. तिरोहितं verschwunden, verborgen,
versteckt AK. 2, 8, 2, 80. H. 1477. RV. 3, 9, 5. CAT. Br. 1, 1, 1, 2. 4, 5, 4.
7, 1, 7. एष ह वै पुरोहितो य एवं वेदाथ स तिरोहितं य एवं न वेद AIT.
Br. 8, 27. M. 8, 203. VIKR. 68, 8. VID. 159. 284. DEV. 9, 20. MĀRK. P. 39,
24. verschwunden so v. a. der die Flucht ergriffen hat H. 803. — c) भू
beseitigt werden, abhanden kommen, verschwinden, sich verstecken:
(मनः) मा तिरो भूत् AV. 8, 1, 7. (देवाः) तिरो ऽभवन् CAT. Br. 1, 6, 2, 1. 3,
1, 4, 3. 2, 2, 2 u. s. w. RAGH. 16, 20. ČĀK. 126, v. l. MĀLAV. 69. KATHĪS.
11, 41. BHĀG. P. 9, 4, 53. BHATT. 6, 71. तिरोभूय P. 1, 4, 7, 1, Sch. KATHĪS.
20, 77. pass. in gleicher Bed.: तिरो भूयते Sch. zu KAP. 1, 121. तिरोभूत्
CAT. Br. 2, 2, 3, 3. 3, 4, 4. 11, 5, 1, 4. KATHĪS. 5, 10. BHATT. 14, 44. caus.
verschwinden machen, vertreiben: तस्यावलेपनं ज्ञावा क्रुद्धस्तु भगवान्क-
रः । तिरोभावयितुं वुद्धिं चक्रे R. 1, 44, 9. intens.: तिर इवैतेन बोभवत्
CAT. Br. 2, 2, 3, 16. — Offenbar von 1. तरः; in der Endung अस् vermu-
then wir das suff. des abl.

तिरस्कार (von 1. कर्. mit तिरस्) adj. f. ई bei Seite liegen lassend so v.
a. übertreffend: अहो वत स्वर्षशास्तिरस्कारो कुशस्थली BHĀG. P. 1, 10, 27.

तिरस्कारिन् (wie eben) 1) m. Vorhang: सो ऽत्यासाथ्य च तदेषम तिर-
स्कारिणमत्ररा । आशीर्भिर्गुणयुक्ताभिरभितुष्टाव राधवम् ॥ R. 2, 13, 20. —
2) ऽकारिणी f. dass. AK. 2, 6, 3, 22. H. 681. ऽर्णा संकृतुम् (auf der Bühne)
MĀLAV. 22. तस्यास्ति ऽ der diese verdeckende Vorhang 32. KUMĀRAS. 1, 14.
Schleier TRIK. im Ind. zu 2, 6, 35. ein unsichtbarmachender Schleier, Ne-
belkappe, Tarnkappe VIKR. 27, 8. ČĀK. 94, 9. तिरक्वारिणी im Prāk rit
77, 9. VIKR. 24, 4.

तिरस्कार (wie eben) m. das Schelten, Schmähen HIT. 13, 14. IV, 15.
Geringachtung HALĀ. im ČKDR. P. 2, 3, 17, Sch.

तिरस्कारिणी f. = तिरस्कारिणी Vorhang NILAK. zu AK. 2, 6, 3, 22.
ČKDR.

तिरस्कुञ्च (ति० + कु०) adj. durch eine Wand hindurch sehend VJUP.
8. — Vgl. तिरस्प्राकार.

तिरस्क्रिया (von 1. कर्. mit तिरस्) f. Tadel, Schmähung, Geringachtung
AK. 1, 1, 3, 22. H. 441. अप्रकटीकृतशक्तिः शक्तो ऽपि जनान्तिरस्क्रियो ल-
भते PAÑKĀT. I, 37.

तिरस्प्राकार (ति० + प्रा०) adj. durch einen Wall hindurch sehend
VJUP. 8. — Vgl. तिरस्कुञ्च.

तिरस्य् (von तिरस्), तिरस्यति verschwinden gāṇa काण्डादि zu P.
3, 1, 27.

तिरिन्नति s. u. तारन्नति.

तिरिञ्चिक (तिरि? + चिञ्चिका) Erythrina crista galli Lin. (?)
NIGH. Pr.

तिरिदि m. Gelenk am Zuckerrohr ČABDAM. im ČKDR. तिरिदि m. WILS.